हिन्दुस्तान

फाइनेंशियल प्लानिंग करने में भारतीय हैं सुस्त

नई दिल्ली | बिजनेस डेस्क

केनरा बैंक और ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स तथा एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसेफिक) होल्डिंग्स लिमिटेड के बीच संयुक्त उपक्रम - केनरा एचएसबीसी ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने एक अध्ययन, 'फ्यूचर ऑफ रिटायरमेंट - दि पावर ऑफ प्लानिंग' जारी किया है। अध्ययन से पता चलता है कि दुनिया भर में पांच में एक व्यक्ति को मालूम नहीं होता है कि रिटायरमेंट के दौरान उनकी आय का मुख्य स्रोत क्या होगा। और अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर भारतीय बहुत ही आलसी हैं।

विश्व में 41 फीसदी लोगों ने माना कि एक हद तक वे रिटायरमेंट के लिहाज से पूरी तरह तैयार नहीं हैं। वहीं 64 प्रतिशत लोगों ने माना कि वे इस बात से चिन्तित हैं कि खर्च चलाने में दिक्कत आएगी। यह सर्वेक्षण 17 देशों में किया गया, जिसमें 17000 लोगों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर भारतीय अपने भविष्य को लेकर आशावादी हैं। भारतीयों के बचत करने की आदतों की वजह से ही दुनियाभर में इन्हें बेहतर फाइनेंशियल प्लानर के तौर पर देखा जाता है।

इसके बावजूद भारत में 51 प्रतिशत लोगों ने इस बात पर चिन्ता जताई है कि बुढ़ापे में उन्हें खर्च चलाने में दिक्कत आएगी। भारत में 10 में एक व्यक्ति रिटायरमेंट के बाद भी अपनी कमाई के लिए काम करने की उम्मीद करता है।

रिटायरमेंट के दौरान आय के स्रोत के संबंध में, दुनिया भर में सिर्फ 16 फीसदी लोगों को लगता है कि यह सरकारी पेंशन होगी। सिर्फ 10 प्रतिशत इसे नियोक्ता की पेंशन योजना से मिलने वाली राशि मानते हैं। अध्ययन में कहा गया है कि भारत जैसे समाज में परंपरागत संयुक्त परिवार की प्रणाली समय के साथ कम होते जाने की उम्मीद है। ऐसे में जिम्मेदारी व्यक्ति पर आ जाएगी।

5 आसान कदम

- कुछ स्पष्ट लक्ष्य तय कीजिए
- खुद को मानक बनाइए
- एक व्यापक वित्तीय योजना बनाइए
- योजना को लागू कीजिए
- अपनी योजना पर नजर रखिए

समझें अपनी जिम्मेदारी

हर व्यक्ति को इस सच्चाई को स्वीकार कर लेना चाहिए कि अपने रिटायरमेंट की जिम्मेदारी उन्हें खुद उठानी है। क्योंकि सरकार और नियोक्ता जो कुछ करेंगे वह पर्याप्त नहीं होगा। जो लोग रिटायरमेंट से संबंधित मुद्दों को समझने और इसकी तैयारी में सक्रियता से लगे रहते हैं वे रिटायरमेंट का मुकाबला अच्छी तरह, ज्यादा धन संपदा भविष्य के लिए आत्मविश्वास के साथ करते हैं।

सर्वेक्षण का सार

41 प्रतिशत लोगों ने माना कि एक हद तक वे रिटायरमेंट के लिहाज से पूरी तरह तैयार नहीं हैं

51 प्रतिशत भारतीयों को चिन्ता है कि बुढ़ापे में उनका खर्च पूरा नहीं होगा

64 प्रतिशत लोगों ने माना कि वे इस बात से चिन्तित हैं कि खर्च चलाने में दिक्कत आएगी

10 में एक व्यक्ति जीवन के उत्तरार्ध में भी कमाई के लिए काम करते रहने की उम्मीद करते हैं